दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

सावधान परीक्षार्थी : ओएमआर शीट पर ही टिकेंगे अंक

उत्तरपुस्तिका पर एमसीक्यू लिखा तो होगा 'जीरो' स्कोर

सवेरा ब्यूरो

धर्मशाला, 8 मार्च : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की आगामी मार्च 2026 की परीक्षाओं में बैठने वाले विद्यार्थियों के लिए एक बेहद जरूरी और सतर्क करने वाली खबर है। बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार +2 राज्य मुक्त विद्यालय की विज्ञान परीक्षाओं में लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं होगी। बोर्ड ने कड़े तेवर अपनाते हुए निर्देश दिए हैं कि बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर केवल और केवल ओएमआर शीट पर ही अंकित किए जाने चाहिए। यदि किसी

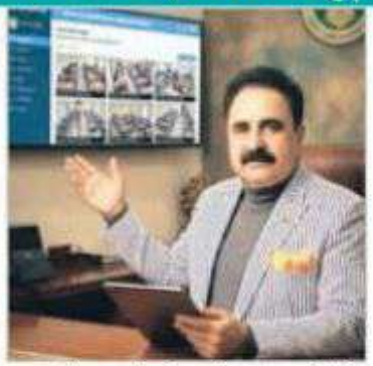

छात्र ने गलती से भी इन प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तरपुस्तिका के किसी अन्य पन्ने पर लिख दिए, तो उन उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और छात्र को उन अंकों से हाथ धोना पड़ेगा। इस चूक की पूरी जिम्मेदारी स्वयं परीक्षार्थी की होगी। परीक्षा के सफल संचालन के लिए बोर्ड ने प्रश्न-पत्रों के वितरण को लेकर भी नई रणनीति तैयार की है। डॉ. राजेश शर्मा ने विशेष रूप से +2 एसओएस डायरेक्ट विज्ञान विषय के प्रश्न-पत्रों के वितरण पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी केंद्र अधीक्षकों और उप-केंद्र अधीक्षकों को दो-टूक कहा है कि वे वितरण संबंधी नियमों का बारीकी से अध्ययन करें और केंद्रों पर इनका सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। बोर्ड का मुख्य उद्देश्य परीक्षा हॉल में किसी भी तरह की भ्रम की स्थिति को रोकना है। इसके साथ ही, बोर्ड ने परीक्षा स्टाफ को यह विशेष जिम्मेदारी सौंपी है कि परीक्षा शुरू होने से पहले हर कमरे में विद्यार्थियों को इन नियमों के बारे में बोलकर और स्पष्ट रूप से अवगत कराया जाए। बोर्ड का मानना है कि परीक्षा के दबाव में अक्सर छात्र ओएमआर शीट के बजाय उत्तरपुस्तिका में टिक करने की गलती कर देते हैं, जिससे उनकी मेहनत बेकार चली जाती है। ऐसे में छात्रों को समय रहते सचेत करना परीक्षा स्टाफ का प्राथमिक कर्तव्य होगा ताकि परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटिहीन बनी रहे।

Divya Himachal 09-03-2026

उत्तरपुस्तिका में एमसीक्यू का आंसर लिखा, तो जीरो स्कोर

नगर संवाददाता— धर्मशाला

- ओएमआर शीट पर ही चिन्हित करने होंगे उत्तर
- 12वीं के नियमित व एसओएस परीक्षार्थियों के लिए बोर्ड के निर्देश

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की मार्च की परीक्षाओं में बैठने वाले विद्यार्थियों के लिए जरूरी जानकारी सामने आई है। इस बार 12वीं, नियमित व राज्य मुक्त विद्यालय (एसओएस) की विज्ञान परीक्षाओं में लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं होगी। बोर्ड ने निर्देश दिए हैं कि बहुविकल्पीय प्रश्नों (एमसीक्यू) के उत्तर केवल ओएमआर शीट पर ही अंकित किए जाने चाहिए। बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि किसी छात्र ने गलती से भी इन प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तरपुस्तिका के किसी अन्य पन्ने पर लिख दिए, तो उन उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और छात्र को उन अंकों से हाथ धोना पड़ेगा। इस चूक की पूरी जिम्मेदारी परीक्षार्थी की होगी। परीक्षा के सफल संचालन के लिए बोर्ड ने प्रश्न-पत्रों के वितरण को लेकर नई रणनीति तैयार की है। डा. राजेश शर्मा ने विशेष रूप से बारहवीं एसओएस डायरेक्ट विज्ञान विषय के प्रश्न-पत्रों के वितरण पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी केंद्र अधीक्षकों और उप-केंद्र अधीक्षकों को दो-टूक कहा है कि वे वितरण संबंधी नियमों का बारीकी से अध्ययन करें और केंद्रों पर इनका सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। छात्रों को सचेत करना परीक्षा स्टाफ का प्राथमिक कर्तव्य होगा।

स्टूडेंट्स को ओएमआर शीट पर ही देने होंगे एमसीक्यू के उत्तर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की मार्च 2026 की परीक्षाओं में बैठने वाले विद्यार्थियों के लिए एक बेहद जरूरी और सतर्क करने वाली खबर है। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार +2 राज्य मुक्त विद्यालय (एसओएस) की विज्ञान परीक्षाओं में लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं होगी। बोर्ड ने कड़े तेवर अपनाते हुए निर्देश दिए हैं कि बहुविकल्पीय प्रश्नों (एमसीक्यू) के उत्तर केवल और केवल ओएमआर शीट पर ही अंकित (टिक) किए जाने चाहिए। यदि किसी छात्र ने गलती से भी इन प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तर पुस्तिका के किसी अन्य पन्ने पर लिख दिए, तो उन उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और छात्र को उन अंकों से हाथ धोना पड़ेगा। इस चूक की पूरी जिम्मेदारी स्वयं परीक्षार्थी की होगी।

◆उत्तर पुस्तिका पर एमसीक्यू लिखा तो होगा जीरो स्कोर

बोर्ड का मुख्य उद्देश्य परीक्षा हॉल में किसी भी तरह की भ्रम की स्थिति को रोकना है। इसके साथ ही, बोर्ड ने परीक्षा स्टाफ को यह विशेष जिम्मेदारी सौंपी है कि परीक्षा शुरू होने से पहले हर कमरे में विद्यार्थियों को इन नियमों के बारे में बोलकर और स्पष्ट रूप से अवगत कराया जाए। बोर्ड का मानना है कि परीक्षा के दबाव में अक्सर छात्र ओएमआर शीट के बजाय उत्तरपुस्तिका में टिक करने की गलती कर देते हैं, जिससे उनकी मेहनत बेकार चली जाती है।

स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे में छात्रों को समय रहते सचेत करना परीक्षा स्टाफ का प्राथमिक कर्तव्य होगा, ताकि परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटिहीन बनी रहे।

प्रश्न-पत्रों के वितरण के लिए भी बनाई रणनीति

12वीं कक्षा की परीक्षा के सफल संचालन के लिए बोर्ड ने प्रश्न-पत्रों के वितरण को लेकर भी नई रणनीति तैयार की है। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने विशेष रूप से +2 एसओएस डायरेक्ट विज्ञान विषय के प्रश्न-पत्रों के वितरण पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी केंद्र अधीक्षकों और उप-केंद्र अधीक्षकों को दो-टूक कहा है कि वे वितरण संबंधी नियमों का बारीकी से अध्ययन करें और केंद्रों पर इनका सख्ती से पालन सुनिश्चित करें।

Apka Faisla
09-03-2026

ओएमआर शीट पर ही अंकित करें बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में लिखने पर नहीं मिलेंगे अंक : शर्मा

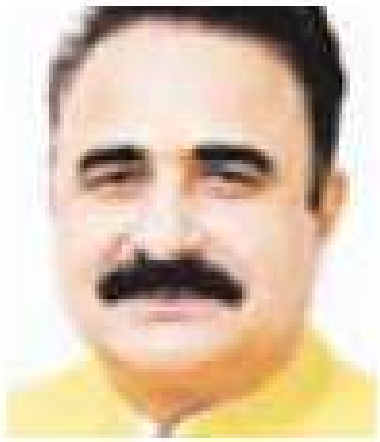

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने मार्च 2026 की परीक्षाओं में बैठने वाले विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि जमा दो राज्य मुक्त विद्यालय की विज्ञान विषय की परीक्षाओं में बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर केवल ओएमआर शीट पर ही अंकित करने होंगे। यदि कोई परीक्षार्थी गलती से इन प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तरपुस्तिका में लिख देता है, तो उन उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और संबंधित अंक नहीं दिए जाएंगे। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि इस नियम का सख्ती से पालन किया जाएगा और किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों को सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर केवल ओएमआर शीट पर ही भरें। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए बोर्ड ने प्रश्नपत्रों के वितरण को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विशेष रूप से जमा दो राज्य मुक्त विद्यालय के विज्ञान विषय के प्रश्नपत्रों के वितरण में पूरी सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। सभी केंद्र अधीक्षकों और उप-केंद्र अधीक्षकों को कहा गया है कि वे बोर्ड के नियमों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें और परीक्षा केंद्रों पर उनका सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। बोर्ड ने परीक्षा स्टाफ को यह जिम्मेदारी भी सौंपी है कि परीक्षा शुरू होने से पहले प्रत्येक कक्ष में विद्यार्थियों को इन नियमों की जानकारी स्पष्ट रूप से दी जाए। कई बार परीक्षा के दबाव में विद्यार्थी ओएमआर शीट के बजाय उत्तरपुस्तिका में उत्तर लिख देते हैं, जिससे उनके अंक नहीं मिल पाते। बोर्ड का उद्देश्य है कि विद्यार्थियों को पहले ही जागरूक कर दिया जाए, ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की गलती या भ्रम की स्थिति न बने और पूरी परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी तथा व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

Dev Bhoomi Mirror 09-03-2026

ओएमआर शीट पर ही अंकित करें बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर, उत्तरपुस्तिका में लिखने पर नहीं मिलेंगे अंक

निशा/देवभूमि मिरर

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने मार्च 2026 की परीक्षाओं में बैठने वाले विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि जमा दो राज्य मुक्त विद्यालय की विज्ञान विषय की परीक्षाओं में बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर केवल ओएमआर शीट पर ही अंकित करने होंगे। यदि कोई परीक्षार्थी गलती से इन प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तरपुस्तिका में लिख देता है, तो उन उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और संबंधित अंक नहीं दिए जाएंगे। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि इस नियम का सख्ती से पालन किया जाएगा और किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों को सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर केवल ओएमआर शीट पर ही भरें। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए बोर्ड ने प्रश्नपत्रों के वितरण को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विशेष रूप से जमा दो राज्य मुक्त विद्यालय के विज्ञान विषय के प्रश्नपत्रों के वितरण में पूरी सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। सभी केंद्र अधीक्षकों और उप-केंद्र अधीक्षकों को कहा गया है कि वे बोर्ड के नियमों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें और परीक्षा केंद्रों पर उनका सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। बोर्ड ने परीक्षा स्टाफ को यह जिम्मेदारी भी सौंपी है कि परीक्षा शुरू होने से पहले प्रत्येक कक्ष में विद्यार्थियों को इन नियमों की जानकारी स्पष्ट रूप से दी जाए। कई बार परीक्षा के दबाव में विद्यार्थी ओएमआर शीट के बजाय उत्तरपुस्तिका में उत्तर लिख देते हैं, जिससे उनके अंक नहीं मिल पाते। बोर्ड का उद्देश्य है कि विद्यार्थियों को पहले ही जागरूक कर दिया जाए, ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की गलती या भ्रम की स्थिति न बने और पूरी परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी तथा व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

Writing an MCQ on an answer sheet will result in a 'zero' score: Dr. Rajesh

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA MAR 8 : This is a very important and alarming news for students appearing for the upcoming Himachal Pradesh Board of School Education examinations in March 2026. Board Chairman Dr. Rajesh Sharma has made it clear that there will be no room for negligence in the +2 State Open School (SOS) Science examinations this time. The Board has adopted a strict stance and directed that answers to multiple-choice questions (MCQs) must be marked only on the OMR sheet. If a student accidentally writes answers to these questions on any other page of the main answer sheet, those answers will not be evaluated and the student will lose their marks. The student will be solely responsible for this mistake.To ensure the successful conduct of the examination, the Board has also developed a new strategy for the distribution of question papers. Dr. Rajesh Sharma has specifically instructed to closely monitor the distribution of +2 SOS Direct Science question papers. He has clearly instructed all center superintendents and sub-center superintendents to carefully study the distribution rules and ensure their strict adherence at the centers. The Board's primary objective is to prevent any confusion in the examination hall.In addition, the Board has assigned the examination staff the special responsibility of clearly and verbally informing students about these rules in every room before the examination begins. The Board believes that under exam pressure, students often make the mistake of marking on the answer sheet instead of the OMR sheet, thus wasting their hard work. In such a situation, it will be the primary duty of the examination staff to alert students in a timely manner so that the examination process remains completely transparent and error-free.

09 MARCH , 2026 MONDAY DHARAMSHALA

The Sunny Times

MARK MCQ ANSWERS ONLY ON OMR SHEET, NOT IN ANSWER BOOKLET : CHAIRMAN

Sunny Mahajan

The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) has issued an important advisory for students appearing in the March 2026 examinations, urging them to be extremely careful while attempting multiple-choice questions in certain papers.

The Board has made it clear that students appearing in the Class 12 State Open School (SOS) Science examinations must mark the answers to multiple-choice questions only on the OMR sheet provided to them. If a candidate mistakenly writes these answers in the main answer booklet instead of the OMR sheet, those responses will not be evaluated, and no marks will be awarded for them.

HPBOSE Chairman Dr. Rajesh Sharma emphasized that the rule will be strictly enforced, leaving no room for exceptions. He advised students to remain attentive during the examination and ensure that all MCQ responses are properly filled on the OMR sheet.The Board has also issued clear operational guidelines regarding the distribution of question papers, particularly for the Class 12 State Open School Science subjects. Center superintendents and deputy superintendents have been instructed to thoroughly study the board's regulations and ensure strict compliance at every examination center.

To avoid confusion among candidates, examination staff have been assigned the responsibility of clearly informing students about these instructions before the exam begins. According to the Board, it has been observed in previous examinations that due to stress or oversight, some students end up writing MCQ answers in the answer booklet instead of the OMR sheet, resulting in the loss of valuable marks.

Through these directions, the Board aims to create awareness among students in advance, ensuring that such mistakes do not occur during the examination. The ultimate goal is to maintain a transparent, disciplined, and well-organized examination process, while safeguarding students from avoidable errors that could impact their results.

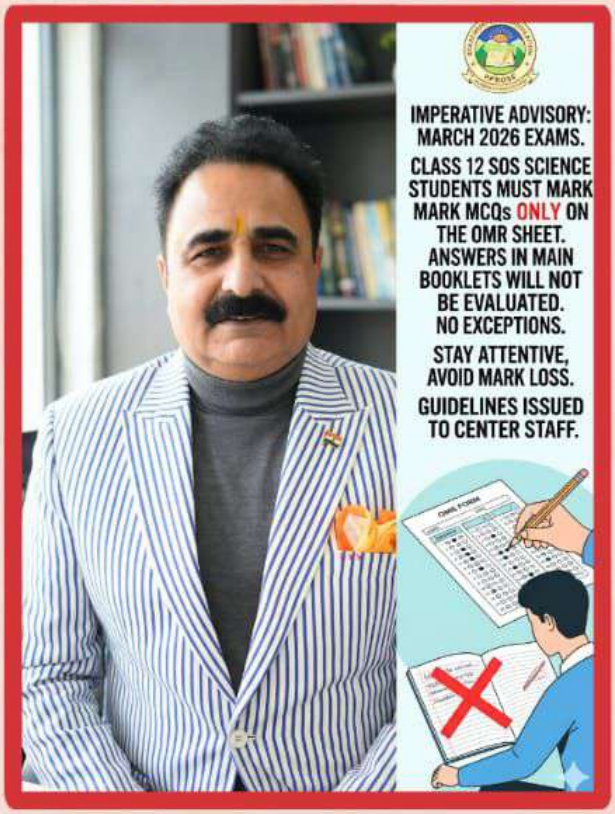

SMALL MISTAKE, BIG LOSS: DR. RAJESH SHARMA URGES STUDENTS TO FOLLOW OMR RULES STRICTLY